

भारत NCAP

प्रलिस के लयः

भारत एनसीएपी, सडक सुरक्षा ।

मेन्स के लयः

भारत एनसीएपी का महत्त्व और चुनौतियाँ ।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में सडक परविहन और राजमार्ग मंत्रालय ने भारत एनसीएपी (न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम) शुरू करने के लयि सामान्य वैधानिक नयिम (GSR) अधसूचना के मसौदे को मंजूरी दी है ।

- एनसीएपी को 1 अप्रैल, 2023 से शुरू कयि जाएगा और इसका मतलब होगा कभारत में ऑटो नरिमाताओं के साथ-साथ आयातकों के पास देश के भीतर कारों को स्टार रेटेड प्राप्त करने का विकल्प होगा ।
- संयुक्त राज्य अमेरिका पहला देश था जसिने करैश परीक्षणों के माध्यम से कार के सुरक्षा मानकों के परीक्षण के लयि एक कार्यक्रम शुरू कयि था ।

भारत NCAP:

- **परचियः**
 - यह एक नया कार सुरक्षा मूल्यांकन कार्यक्रम है जो दुर्घटना परीक्षणों में उनके परदर्शन के आधार पर ऑटोमोबाइल को 'स्टार रेटिंग' देने का एक तंत्र प्रस्तावति करता है ।
 - भारत एनसीएपी मानक वैश्विक बेंचमार्क के साथ संरेखति है और ये न्यूनतम नयिमक आवश्यकताओं से परे हैं ।
- **भारत NCAP रेटिंगः**
 - प्रस्तावति भारत **NCAP** मूल्यांकन 1 से 5 स्टार तक स्टार रेटिंग आबंटति करेगा ।
 - इस कार्यक्रम के लयि वाहनों का परीक्षण आवश्यक बुनयिादी ढाँचे के साथ परीक्षण एजेंसियों के आधार पर कयि जाएगा ।
- **परयोज्यताः**
 - यह देश में नरिमति या आयातति 3.5 टन से कम सकल वन वाले एम1 श्रेणी के अनुमोदति मोटर वाहनों पर लागू होगा ।
 - एम1 श्रेणी के मोटर वाहनों का उपयोग यात्रियों के आवागमन के लयि कयि जाता है, जसिमें चालक की सीट के अलावा आठ सीटें होती हैं ।

NCAP का भारत के लयि महत्त्वः

- **उपभोक्ताओं को सूचति नरिणय लेने के लयि सशक्त बनानाः**
 - नए नयिम यात्री कारों की सुरक्षा रेटिंग की अवधारणा प्रस्तुत करते हैं और उपभोक्ताओं को सूचति नरिणय लेने के लयि सशक्त बनाते हैं ।
- **नरियात-योग्यता बढ़ाता हैः**
 - करैश टेस्ट के आधार पर भारतीय कारों की स्टार रेटिंग न केवल कारों में संरचनात्मक और यात्री सुरक्षा सुनश्चिति करेगी बल्कभारतीय ऑटोमोबाइल की नरियात-योग्यता को भी बढ़ाएगी ।
- **ऑटोमोबाइल उद्योग आत्मनरिभर होंगेः**
 - यह भारत को दुनयिा में नंबर 1 ऑटोमोबाइल हब बनाने के मशिन के साथ हमारे ऑटोमोबाइल उद्योग को आत्मनरिभर बनाने में भी एक महत्त्वपूर्ण साधन साबति होगा ।

चुनौतियाँ:

- बड़े पैमाने पर परीक्षण के लिये मज़बूत बुनियादी संरचना की तथा इसे सफलतापूर्वक और त्वरति तरीके से लागू करने के लिये भारी बजटीय समर्थन की आवश्यकता होगी।
- भारत के प्रमुख शहरों ने परविहन बुनियादी ढाँचे के निर्माण के लिये अपनी कुल भूमिआवंटन का मुश्कलि से 6-10% (दिल्ली को छोड़कर, जसिने परविहन बुनियादी ढाँचे के लिये लगभग 20% आवंटति कयिा है) को समर्पति कयिा है, जसिके कारण शहरों में जनसंख्या और इसकी आवश्यकताओं के संदर्भ में अपर्याप्त परविहन अवसंरचना वकिसति हुई है।

आगे की राह

- परीक्षण प्रोटोकॉल को मौजूदा भारतीय नयिमों में फैक्टरगि **ग्लोबल क्रैश टेस्ट प्रोटोकॉल** के साथ संरेखति कयिा जाना चाहयि, जसिसे OEM (मूल उपकरण नरिमाता) को अपने वाहनों का परीक्षण भारत की अपनी इन-हाउस परीक्षण सुवधिओं में करने की अनुमति मिलि सके।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/bharat-ncap>

